[डॉ. नीतिश सेनगुप्ता]

कांग्रेस पार्टी के मेरे सहयोगियों ने मुझे कुछ सुझाव दिए हैं। मेरे पास उनको देखने का समय नहीं था, किंतु मैं यह वायदा कर सकता हूं कि मैं उन सुझावों में से कुछ पर विचार करूंगा। मैं श्री राजेश पायलट के दृष्टिकोण और उनके भाषण की सराहना करता हूं। संशोधनों के बारे में मेरा कहना है कि मैं उन पर विचार करूंगा और उन्हें उचित समय पर उठाऊंगा।

अपराह्न 5.15 बजे

प्रधान मंत्री द्वारा वक्तव्य

सीएटल मे विश्व व्यापार संगठन का तीसरा मंत्री स्तरीय सम्मेलन आरम्भ होना

[अनुवाद]

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी) : अध्यक्ष महोदय, मैं कल सीएटल में आरंभ हुए विश्व व्यापार संगठन के तृतीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के बारे में माननीय सदस्यों द्वारा की गई टिप्पणियों और उनके द्वारा व्यक्त चिन्ता का प्रत्युत्तर देने हेतु एक वक्तव्य देने के लिए खड़ा हुआ हूँ।

मंत्रिस्तरीय सम्मेलन को 10.00 बजे शुरू होना था किंत आंसू गैस छोड़े जाने सहित प्रदर्शन और बाधाओं के कारण उद्घाटन सत्र का शुभारंभ नहीं हो सका। यहां तक अमरीकी शिष्टमंडल भी सम्मेलन स्थल तक नहीं पहुंच सका और उद्घाटन सत्र को स्थगित कर दिया गया।...*(व्यवधान)*

विभिन्न देशों के अधिकतर मंत्री विश्व व्यापार संगठन के महानिदेशक द्वारा आयोजित दोपहर भोज में भी भाग नहीं ले सके। यह निर्णय किया गया था कि पूर्ण सत्र 3.00 बजे शुरू होगा किंतु यह 3.40 बजे शुरू हो सका, वहां मची खलबली के कारण मंत्री सम्मेलन स्थल तक जाने के लिए अपनी कारों का उपयोग नहीं कर सके और उन्हें पैदल जाना पड़ा...*(व्यवधान)*

अध्यक्ष महोदय : यह क्या है? श्री सुनील खां माननीय प्रधान मंत्री बोल रहे हैं।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : भारत के वाणिज्य मंत्री ने अपराह्न 5.00 बजे, भारतीय समय के अनुसार प्रातः 6.30 बजे एक वक्तव्य दिया। वक्तव्य का एक थोड़ा विस्तृत संस्करण परिचालित भी किया गया।

मैं विश्व व्यापार संगठन सम्मेलन में वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री मुरासोली मारन द्वारा दिए गए वक्तव्य को सभा पटल पर रखता हूँ।

सीएटल मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में हमारा मूल दृष्टिकोण इस प्रकार है:

1. हम वार्ताओं के व्यापक नए चक्र, जिसे अक्सर सहस्राब्दि चक्र कहा गया है, के पक्षधर नहीं हैं

2. हम निम्न बातों को व्यापार से जोड़ने के विरुद्ध हैं:

   (क) मूल श्रम मानक,

   (ख) पर्यावरणीय मुद्दे,

   (ग) सुसंगत विश्व व्यवस्था का निर्माण,

   (घ) निवेश संबंधी मुद्दे;

   (ङ) विश्व व्यापार संगठन वार्ताओं में गैर–सरकारी संगठनों की भागीदारी, और

   (च) प्रतिस्पर्धात्मक नीति

3. हम वार्ता के लिए कुछ नई मदों को लेने के लिए तैयार हैं बशर्ते उरूगवे वार्ता चक्र से उत्पन्न होने वाले मुद्दों का समाधान भी हमारे अनुकूल हो।

सीएटल में वार्ता के लिए इन मामलों को लिया जाएगा और इस समय सभा को बताने के लिए मेरे पास कोई और सूचना नहीं है।

मैं माननीय सदस्यों को आश्वासन देता हूं कि सीएटल वार्ता में भारत के राष्ट्रीय हितों की पूरी तरह से रक्षा की जाएगी और उन्हें अग्रसर किया जाएगा।

श्री एस. जयपाल रेड्डी (मिरयालगुडा) : महोदय, क्या मैं एक स्पष्टीकरण पूछ सकता हूँ।

अध्यक्ष महोदय : जी नहीं।

अपराह्न 5.17 बजे

बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण विधेयक - जारी

[अनुवाद]

श्री के. मलयसामी (रामानाथपुरम) : अध्यक्ष महोदय, अन्नाद्रमुक जो जन नेता, महान, अद्भुत, वहां की जमीन से जुड़ी निर्भय और प्रसिद्ध नेता डा. जयललिता के सुयोग्य व दृढ़ नेतृत्व में कार्य कर रही है, की ओर से इस विषय पर विचार व्यक्त करने का अवसर देने के लिए आपको बहुत–बहुत धन्यवाद। हमारी नेता देश के उन गिने चुने लोगों में से हैं जो इस विधेयक का विरोध करने के लिए